**भारत सरकार**
**रेल मंत्रालय**

**लोक सभा**
**11.02.2026 के**
**तारांकित प्रश्न सं. 164 का उत्तर**

**महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में वंदे भारत रेलगाड़ियां**

***164. श्री निलेश ज्ञानदेव लंके:**
**श्री ज्ञानेश्वर पाटील:**

**क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:**

**(क) महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में वर्तमान में चल रही वंदे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ियों की कुल संख्या कितनी है और उनके विशिष्ट मार्गों और बारंबारिता का ब्यौरा क्या है;**
**(ख) क्या महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के भीतर या बाहर के प्रमुख शहरों, तीर्थ स्थलों या पर्यटन स्थलों को जोड़ने वाले नए वंदे भारत मार्ग शुरू करने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;**
**(ग) क्या महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में तेज गति वाली वंदे भारत सेवाओं के लिए सेमी-हाई-स्पीड कॉरिडोर शुरू करने या मौजूदा पटरियों का उन्नयन करने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;**
**(घ) क्या सरकार का विचार महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में वंदे भारत रेलगाड़ियां चलाने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और**
**(ङ) इन रेलगाड़ियों में किफायती किराया सुनिश्चित करने और स्थानीय व्यंजनों के विकल्पों को शामिल करने के लिए उठाए जा रहे विभिन्न कदमों का ब्यौरा क्या है?**

**उत्तर**

**रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री**
**(श्री अश्विनी वैष्णव)**

**(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।**

*********

**दिनांक 11.02.2026 को लोक सभा के तारांकित प्रश्न सं. 164 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।**

**(क) से (ङ): चूंकि रेल नेटवर्क राज्यों की सीमाओं के आर-पार फैला होता है, इसलिए रेलगाड़ियों को नेटवर्क की आवश्यकता के अनुसार राज्य की सीमाओं के आर-पार परिचालित किया जाता है। प्रस्थान/समाप्ति आधार पर, 24 वंदे भारत एक्सप्रेस सेवाएँ महाराष्ट्र राज्य में स्थित विभिन्न स्टेशनों की जरूरतों को पूरा कर रही हैं जबकि 10 वंदे भारत एक्सप्रेस सेवाएँ (जिसमें 11.11.2025 से शुरू की गई 26505/26506 खजुराहो-बनारस वंदे भारत एक्सप्रेस शामिल है) मध्य प्रदेश राज्य में स्थित विभिन्न स्टेशनों की जरूरतों को पूरा कर रही हैं। इन्हें निम्नानुसार सूचीबद्ध किया गया है:**

**महाराष्ट्र को सेवित करने वाली वंदे भारत:**

| क्र. सं. | गाड़ी संख्या और नाम | फेरे |
|---|---|---|
| 1 | 26101/26102 पुणे-अजनी वंदे भारत एक्सप्रेस | सप्ताह में 6 दिन |
| 2 | 20101/20102 नागपुर-सिकंदराबाद वंदे भारत एक्सप्रेस | सप्ताह में 6 दिन |
| 3 | 20669/20670 हुबली-पुणे वंदे भारत एक्सप्रेस | सप्ताह में 3 दिन |
| 4 | 20673/20674 एससीएसएम(टी) कोल्हापुर-पुणे वंदे भारत एक्सप्रेस | सप्ताह में 3 दिन |
| 5 | 22961/22962 मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद वंदे भारत एक्सप्रेस | सप्ताह में 6 दिन |
| 6 | 20705/20706 एच.एस. नांदेड़-छत्रपति शिवाजी महाराज (टी) वंदे भारत एक्सप्रेस | सप्ताह में 6 दिन |
| 7 | 22229/22230 छत्रपति शिवाजी महाराज (टी)-मडगांव वंदे भारत एक्सप्रेस | सप्ताह में 6 दिन |
| 8 | 20911/20912 इंदौर-नागपुर वंदे भारत एक्सप्रेस | सप्ताह में 6 दिन |
| 9 | 22223/22224 छत्रपति शिवाजी महाराज (टी)-साईंनगर शिरडी वंदे भारत एक्सप्रेस | सप्ताह में 6 दिन |
| 10 | 22225/22226 छत्रपति शिवाजी महाराज (टी)-सोलापुर वंदे भारत एक्सप्रेस | सप्ताह में 6 दिन |

| | | |
|---|---|---|
| 11 | 20825/20826 बिलासपुर-नागपुर वंदे भारत एक्सप्रेस | सप्ताह में 6 दिन |
| 12 | 20901/20902 मुंबई सेंट्रल-गांधीनगर कैपिटल वंदे भारत एक्सप्रेस | सप्ताह में 6 दिन |

मध्य प्रदेश को सेवित करने वाली वंदे भारत गाड़ी सेवाएं:

| क्र. सं. | गाड़ी संख्या और नाम | फेरे |
|---|---|---|
| 1 | 20171/20172 रानी कमलापति-हज़रत निज़ामुद्दीन वंदे भारत एक्सप्रेस | सप्ताह में 6 दिन |
| 2 | 20173/20174 रानी कमलापति-रीवा वंदे भारत एक्सप्रेस | सप्ताह में 6 दिन |
| 3 | 20911/20912 इंदौर-नागपुर वंदे भारत एक्सप्रेस | सप्ताह में 6 दिन |
| 4 | 22469/22470 खजुराहो-हजरत निजामुद्दीन वंदे भारत एक्सप्रेस | सप्ताह में 6 दिन |
| 5 | 26505/26506 खजुराहो-बनारस वंदे भारत एक्सप्रेस (11.11.2025 से शुरू) | सप्ताह में 6 दिन |

अन्य बातों के साथ-साथ, ये वंदे भारत गाड़ी सेवाएं, मुंबई, पुणे, नागपुर, शिरडी, नासिक, रत्नागिरी, सोलापुर, सिकंदराबाद, प्रयागराज, बनारस, भोपाल, उज्जैन, इंदौर, जबलपुर, खजुराहो, मैहर, रीवा आदि जैसे प्रमुख स्थलों के लिए संपर्क प्रदान कर रही हैं और इस प्रकार तीर्थयात्रियों और पर्यटकों की जरूरतों को भी पूरा कर रही हैं।

इसके अलावा, किसी भी मार्ग/खंड पर वंदे भारत गाड़ी सेवाओं सहित नई गाड़ियां शुरू करना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें शामिल हैं:

- उस खंड की क्षमता
- पथ की उपलब्धता
- अपेक्षित चल स्टॉक की उपलब्धता
- चल स्टॉक के लिए उपयुक्त अवसंरचना की उपलब्धता
- रेल पटरियों और अन्य परिसंपत्तियों के अनुरक्षण की आवश्यकता

**रेलपथ संबंधी अवसंरचना**

**भारतीय रेल में रेलपथ संबंधी अवसंरचना को सुदृढ़ बनाना, अपग्रेड करना, आधुनिकीकरण करना और सुधार लाना एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। रेलपथों का उन्नयन करने के लिए भारतीय रेल द्वारा निम्नलिखित कदम उठाए जा रहे हैं:**

I. **प्राथमिक रेलपथ नवीकरण करते समय 60 किग्रा की आधुनिक रेलपथ संरचना, 90 अल्टीमेट टेन्सिल स्ट्रेंथ (यूटीएस) पटरियां, प्रीस्ट्रेस्ड कंक्रीट स्लीपर (पीएससी) लोचदार बंधन वाले सामान्य/चौड़े स्लीपर, पीएससी स्लीपरों पर फैनशेप्ड लेआउट टर्नआउट, गर्डर पुलों पर स्टील चैनल/एच-बीम स्लीपर्स का उपयोग किया जाता है।**

II. **टर्नआउट नवीनीकरण कार्यों में थिक वेब स्विच और वेल्ड करने योग्य सीएमएस क्रॉसिंग का उपयोग।**

III. **ज्वाइंटों की वेल्डिंग से बचने के लिए 260 मीटर लंबे पटरी पैनलों की अधिकतम आपूर्ति करना, जिससे संरक्षा में सुधार किया जा सके।**

IV. **पूर्ववर्ती पारंपरिक/बेहतर एसईजे के स्थान पर थिक वेब स्विच विस्तार ज्वाइंटों का उपयोग किया जा रहा है।**

V. **पटरियों के लिए बेहतर वैल्डिंग तकनीक अर्थात फ्लैश बट वेल्डिंग अपनाना।**

VI. **रेलपथ की बेहतर अनुरक्षण क्षमता और विश्वसनीयता के लिए उच्च आउटपुट सामान्य टैम्पर्स और प्वॉइंटों एवं क्रॉसिंग टैम्पर्स का उपयोग करके रेलपथ रखरखाव के लिए यंत्रीकृत प्रणाली को अपनाना।**

VII. **परिसंपत्तियों की विश्वसनीयता को और बेहतर बनाने के लिए रेल ग्राइंडिंग मशीनों सहित अत्याधुनिक मशीनों का उपयोग।**

VIII. **पीक्यूआरएस, टीआरटी, टी-28 आदि जैसी रेलपथ मशीनों के उपयोग के माध्यम से रेलपथ बिछाने की गतिविधियों का यांत्रिकीकरण।**

IX. **समपार फाटक पर संरक्षा बढ़ाने के लिए समपार फाटक की इंटरलॉकिंग।**

X. **पटरियों और वेल्डों के परीक्षण के लिए उन्नत चरणबद्ध एरे प्रौद्योगिकी का उपयोग।**

XI. **सबसे बेहतर अनुरक्षण की आवश्यकताओं का पता लगाने के लिए संपूर्ण कार्यप्रणाली की जांच के लिए एकीकृत रेलपथ निगरानी प्रणाली (आईटीएमएस) और दोलन निगरानी प्रणाली (ओएमएस) की संस्थापना।**

XII. **यार्डों में रेलपथ पैरामीटरों की निरंतर रिकॉर्डिंग के लिए पोर्टेबल रेलपथ मापन ट्रॉली को अपनाना।**

विभिन्न स्रोतों से प्राप्त रेलपथ निरीक्षण रिकॉर्ड के एकीकरण और डेटा विश्लेषण के लिए वेब आधारित रेलपथ प्रबंधन प्रणाली (टीएमएस) का उपयोग किया जा रहा है, ताकि उचित अनुरक्षण इनपुट प्राप्त हो सके।

उपर्युक्त उपायों के परिणामस्वरूप, रेलपथ की गति क्षमता में काफ़ी बढ़ोतरी हुई है। वर्ष 2014 और 2025 के दौरान रेलपथ की गति क्षमता का तुलनात्मक ब्यौरा निम्नानुसार है:

| खंडीय गति (कि.मी. प्रति घंटा) | 2014 | | 2025 (दिसम्बर 2025 तक) | |
|---|---|---|---|---|
| | रेलपथ किलोमीटर | % | रेलपथ किलोमीटर | % |
| 130 और अधिक | 5,036 | 6.3 | 23,010 | 21.8 |
| 110 - 130 | 26,409 | 33.3 | 61,234 | 57.9 |
| < 110 | 47,897 | 60.4 | 21,428 | 20.3 |
| कुल | 79,342 | 100 | 1,05,672 | 100 |

किफायती किराए

भारतीय रेल द्वारा विभिन्न प्रकार की गाड़ी सेवाओं का परिचालन किया जा रहा है, जैसे उपनगरीय लोकल/साधारण, अनुपनगरीय लोकल/साधारण, मेल/एक्सप्रेस, सुपरफास्ट गाड़ियां, गरीब रथ, गतिमान, राजधानी, शताब्दी, दुरंतो, महामना, अमृत भारत, वंदे भारत, वंदे भारत स्लीपर, नमो भारत रैपिड रेल, हमसफर, तेजस, विशेष प्रभार पर स्पेशल गाड़ियां आदि।

रेलवे द्वारा समाज के सभी वर्गों को किफायती सेवाएं प्रदान करने का प्रयास किया जाता है। तदनुसार समाज के विभिन्न वर्गों की यात्रा संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विभिन्न श्रेणियों की गाड़ी सेवाओं का परिचालन किया जाता है, जिसमें समाज के पिछड़े वर्गों के यात्रियों को लाभ पहुँचाने के लिए कम किराए वाली गाड़ियां और बेहतर सुविधाओं वाली गाड़ियां भी शामिल हैं।

वर्ष 2023-24 में भारतीय रेल द्वारा यात्री टिकटों पर 60,466 करोड़ रुपए की सब्सिडी दी गई। इससे रेलों में यात्रा करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को औसतन 45% की रियायत दी गई। दूसरे शब्दों में, यदि सेवाएं प्रदान करने की लागत 100 रुपए है, तो टिकट का मूल्य केवल 55 रुपए है। यह सब्सिडी सभी यात्रियों के लिए दी जा रही है। इसके अलावा, कई कोटियों के यात्रियों को इस

**सब्सिडी राशि से अधिक रियायत दी जा रही है, जैसे दिव्यांगजनों की 4 कोटियां, रोगियों की 11 कोटियां और छात्रों की 8 कोटियां।**

**स्थानीय व्यंजन का विकल्प**

**इंडियन रेलवे केटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी) द्वारा प्रतिष्ठित वंदे भारत रेलगाड़ियों का मेन्यू यात्रियों की क्षेत्रीय/लोकप्रिय मांग के आधार पर डिज़ाइन किया जा रहा है। आईआरसीटीसी ने महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में परिचालित वंदे भारत गाड़ियों में अधिक वैयक्तिकृत अनुभव प्रदान करने के लिए वहां के क्षेत्रीय/स्थानीय भोजन की व्यवस्था शुरू की है। कुछ क्षेत्रीय/स्थानीय व्यंजन शुरू किए गए हैं जैसे पनीर कोल्हापुरी, मुर्ग कोल्हापुरी, कोभिची भा, बटाटा मटर भाजी, बटाटा पोहा, कांदा पोहा, इंदौरी पोहा, सेव टमाटर सब्जी, अजवाइन पराठा, रागी भाखरी, पत्रा भागर, खोया चिकन, रागी थेपला, भे (कमल का मसालेदार डंठल) आदि।**

**क्षेत्रीय/स्थानीय व्यंजन शुरू करने से यात्रियों को यात्रा के दौरान प्रामाणिक स्थानीय स्वाद का अनुभव प्राप्त हुआ है और स्थानीय संस्कृति से जुड़ने का मौका मिला है।**

*****